



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

D. 1/11

सं. 409]
No. 409]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 27, 1988/श्रावण 5, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 27, 1988/SRAVANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1988

अधिसूचनाएं

सं. 227/88--सीमाशुल्क

सं. का. नि. 817 (क).--केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपेक्षा यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 287/87--सीमाशुल्क शासक 7 अगस्त, 1987 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में,

“31 जुलाई, 1988” अंकों और शब्दों के स्थान पर “31
जुलाई, 1989” अंक और शब्द रखे जायेंगे।

[फा. सं. 346/76/88 टी. आर. यू.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 27th July, 1988.

NOTIFICATIONS

No. 227/88-CUSTOMS

G. S. R. 817 (E) :-In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 287/87-Customs, dated the 7th August, 1987, namely :-

In paragraph 2 of the said notification, for the figures, letters and words “31st day of July, 1988”, the figures, letters and words “31st day of July, 1989” shall be substituted.

[F. No. 346/176/88-TRU]

नं. 234/88—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

No. 234/88-CENTRAL EXCISES

सा. का. वि. 818 (घ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नगक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 182/87—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 10 जुलाई, 1987 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "प्रयुक्त मशीनरी की मरम्मत या अनुरक्षण के लिए भी" शब्दों का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 354/49/88-टी. जार. यू.]

टी. जयरामन, सचिव

G. S. R. 818(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 182/87-Central Excises, dated the 10th July, 1987, namely :—

In the said notification, the words "in the repair or maintenance of machinery used" shall be omitted.

[F. No. 354/49/88-TRU]

T. JAYARAMAN, Under Secy.